मुख पृष्ठ / मुख पृष्ठ /
यूहन्ना द्वितीय पत्र में सीखने योग्य बातें

असली स्रोत

यूहन्ना द्वितीय पत्र में सीखने योग्य बातें

पहले पत्र को छोड़ दें, जिसे प्रेरित यूहन्ना ने सभी लोगों के लिए लिखा था। बची हुई दो पत्रिकाएँ सीधे सभी के लिए नहीं थीं, बल्कि विशिष्ट लोगों के लिए थीं। इसलिए ये संपूर्ण बाइबल में सबसे संक्षिप्त पत्र हैं, लेकिन इनमें संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए, यदि हम तीसरे पत्र को देखें, तो हम पाते हैं कि प्रेरित यूहन्ना इसे एक भाई गायो के लिए लिख रहे हैं।

आज कई लोग प्रसिद्ध श्लोक को पसंद करते हैं:

“प्रियतम, मैं प्रार्थना करता हूँ कि तुम्हारे सारे काम में सफलता हो और तुम्हारा स्वास्थ्य ठीक रहे, जैसे तुम्हारी आत्मा में सब कुछ ठीक है। (3 यूहन्ना 1:2)”

यह श्लोक सभी को प्रिय है क्योंकि यह आशीर्वाद और सफलता का संदेश देता है। लेकिन हमें समझना चाहिए कि यह पत्र सभी के लिए नहीं लिखा गया था, बल्कि केवल गायो के लिए। और यह जानना ज़रूरी है कि गायो को यह आशीर्वाद क्यों मिला, और कैसे हम उसके उदाहरण से सीख सकते हैं।

गायो का दिल बहुत विशेष था: वह यात्रियों और ईश्वर के काम में लगे सेवकों का स्वागत करता था, अपने साधनों से उनका समर्थन करता था, और उनका कोई अभाव नहीं होता था। उसकी भलाई की ख्याति पूरे चर्चों में फैली, यहाँ तक कि प्रेरितों तक भी। और तभी यह आशीर्वाद उसके लिए लिखा गया।

आज, बहुत से लोग ईसाई हैं लेकिन भगवान के लिए कुछ भी देने में कंजूसी करते हैं, फिर भी वे पहली बार प्रार्थना करते हैं कि “मुझे सबमें सफलता दे।” उन्हें यह नहीं पता कि ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए केवल प्रार्थना पर्याप्त नहीं है, बल्कि गायो जैसे गुणों वाले लोगों के लिए है — लोग जिनका जीवन ईश्वर के काम में बाधा नहीं डालता।

अब संक्षेप में हम यूहन्ना द्वितीय पत्र के संदेश पर ध्यान देंगे। यह पत्र किसके लिए है? इसे अकेले पढ़ने का समय निकालना अच्छा रहेगा। यह छोटा है और हमारे विश्लेषण में मदद करेगा।

हम पढ़ते हैं:

3 यूहन्ना 1:1–4
“1 वृद्ध व्यक्ति, चुनी हुई माताजी और उसके बच्चों को, जिन्हें मैं सत्य में प्रेम करता हूँ; और केवल मैं ही नहीं, बल्कि सभी जो सत्य को जानते हैं;
2 इस सत्य के कारण जो हमारे भीतर है, वही हमारे साथ हमेशा रहेगा।
3 अनुग्रह, दया और शांति, पिता परमेश्वर और यीशु मसीह के पुत्र से हमारे साथ रहे।
4 मैं बहुत प्रसन्न हूँ कि मैंने तुम्हारे कुछ बच्चों को सत्य में चलते देखा, जैसे कि हमें पिता के आदेशों के अनुसार मिला।”

यहाँ, श्लोक 4 कहता है:
“मैं बहुत प्रसन्न हूँ कि मैंने तुम्हारे कुछ बच्चों को
सत्य में चलते देखा।”

यदि आप माँ हैं और मसीह की चुनी हुई कहलाना चाहती हैं, तो सवाल यह है: क्या आप सुनिश्चित करती हैं कि आपके बच्चे परमेश्वर के मार्ग में चलें? क्या आप उनके पापों पर उन्हें सचेत करती हैं या सिर्फ देखते रहती हैं? क्या आप उनकी आध्यात्मिक स्थिति पर ध्यान देती हैं या केवल उनकी स्कूल उपस्थिति पर?

1) बच्चों को सत्य में मार्गदर्शन देना
यूहन्ना ने पहले माताजी के बच्चों की स्थिति देखी और चाहा कि वे परमेश्वर के प्रति दृढ़ रहें।

3 यूहन्ना 1:1–4 में यही दिखाया गया है।

2) प्रेम में जीना
दूसरी बात जो यूहन्ना देखना चाहते थे, वह है प्रेम।

3 यूहन्ना 1:5–6
“5 अब मैं माँ, तुमसे निवेदन करता हूँ, यह कोई नई आज्ञा नहीं है, बल्कि वह जो हम शुरुआत से जानते हैं कि हम एक-दूसरे से प्रेम करें।
6 और प्रेम यह है: कि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करें।”

यहाँ वही आज्ञा है जो शुरू से थी:

> [illegible] 12:29–31
> *“29* [illegible]: [illegible] [illegible], ‘[illegible],
> [illegible]
> *30* [illegible] [illegible] [illegible], [illegible],
> [illegible] [illegible]
> *31* [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

---

3) [illegible]
[illegible]:

> 3 [illegible] 1:7–11
> *“7* [illegible] [illegible] [illegible] [illegible],
> [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
> *8* [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible],
> [illegible] [illegible]
> *9* [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible],
> [illegible]

10 जो आपके पास आता है और सही शिक्षा नहीं लाता, उसे अपने घर में मत स्वीकार करो, न उसे नमस्ते कहो।
11 क्योंकि जो उसे नमस्ते कहता है, वह उसके बुरे काम में साझेदार है।”

धोखेबाज हमेशा रहेंगे, पहले और अब भी। उनका उद्देश्य ईसाई जीवन और सच्चाई को कमजोर करना है।

इब्रानी 12:14
“सभी लोगों के साथ शांति में रहने का प्रयास करो, और
पवित्रता में, क्योंकि कोई भी यहोवा को बिना उसके देखे नहीं देख पाएगा।”

2 पतरस 1:10
“इसलिए भाइयों, अपने चुने होने और बुलाए जाने को दृढ़ बनाने में प्रयास करो; यदि तुम ऐसा करोगे, कभी न फिसलोगे।”

यदि आप चुनी हुई माताजी हैं और ईश्वर का पूर्ण पुरस्कार पाना चाहती हैं, तो इन तीन गुणों को अपनाएँ:

1. बच्चों को सत्य में मार्गदर्शन दें
2. प्रेम में स्थिर रहें
3. धोखेबाजों से सावधान रहें

ईश्वर आपका आशीर्वाद दे।

यदि आप चाहो, मैं आपके लिए इस पूरे टेक्स्ट का बाइबल वचन सहित पूरी तरह से सुंदर फॉर्मेटेड हिंदी संस्करण, जैसे एक आध्यात्मिक अध्ययन नोट्स, भी तैयार कर सकता हूँ।

क्या मैं ऐसा कर दूँ?

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp